

वेदफलमभूते M. 1, 109, 2, 160. ते वै सस्यस्य ज्ञातस्य न लभते फलं क्वचित् 9, 49, 161. क्रिया° P. 1, 3, 72. (कार्याणि) अफलानि, समव्ययफलानि Spr. 3338. धर्मस्य, विभवस्य 1933. अग्निहोत्रफला वेदाः शीलवृत्तिफलं भूतम् । रतिपुत्रफला दारा दत्तभुक्तफलं धनम् ॥ 20. RAGH. 1, 29. आपुरद्व्यां प्रकामविस्तारफलं हरिणः 2, 11. ÇĀ. 25, 1. सिद्धे कार्ये समं फलम् Spr. 1364. पुण्य° M. 3, 95. दानस्य 7, 86. HARIV. 12590. R. 1, 62, 27. यदुत्तिष्ठति वर्षेभ्यो नृपाणां तपि तत्फलम् ÇĀ. 46. फलमस्योपकासस्य सद्यः प्राप्स्यसि RAGH. 12, 37. स्वयोरूपफलानि VID. 153. न चान्यां देवतां काङ्क्षे सर्वकामफलामपि MBH. 13, 829. RAGH. 12, 6. KUMĀRAS. 3, 1. Spr. 463. PRAB. 30, 15. ईश्वरा भूरिद्रव्येण यल्लभते फलं किल । द्रिद्रस्तच्च काकिण्या प्राप्नुयात् 80 v. a. Genuss Spr. 437. यावच्छस्यं विनश्येत् तावत्स्यात्तन्निष्ठाः फलम् Ersatz JĀṆ. 2, 161. — 3) bei den Mathematikern das Ergebniss einer Rechnung, Product u. s. w.; Quotient SŪRĀS. 1, 61. 2, 32. 4, 2, 3, 29. 4, 13. 26. 9, 10. result (from base-sine or perp. sine) 2, 39. 40. 41. 44. 46. corrective equation 2, 44. 45. 56. 3, 29. 4, 8. 15. produce of the argument (प्रमाण) COLEBR. Alg. 33. the area or superficial content 70. स्फुट°, घ-स्फुट°, स्थूल°, ebend. — 4) Zinsen COLEBR. Alg. 39. — 5) n. = ज्ञातीयल Muskattuss TRIK. 3, 3, 400. H. an. MED. = त्रिफला die drei Myrobalanen H. an. MED. = कक्कोल diess. m. Wrightia antidysenterica R. Br. (कुटज) ÇĀNDAR. im ÇKDr. — Suçr. 1, 221, i. — 6) n. du. die Hoden Suçr. 2, 112, 9. HARIV. 12363. (पितृदेवाः) अफलान्भुजते मेघान् फलैस्तेषामयोजयन् (इन्द्रम्) R. 1, 49, 11. — 7) n. Klinge: सु° (निस्त्रिंश) MBH. 4, 1364. खड्ग° AK. 3, 4, 25, 188. TRIK. 3, 3, 361. तुरिका° H. an. 3, 147. कुरिका° MED. g. 25. — 8) n. = फलक Brett (s. शारि°); = फलक Schild AK. 2, 8, 2, 58. TRIK. H. an. — 9) n. Pfeilspitze TRIK. H. c. 150. H. an. ÇĀNDAR. im ÇKDr. — 10) Auge auf einem Würfel MBH. 4, 24. — 11) n. = फाल Pfugschar H. 891. अथो फलम् (v. l. क्लम्) । निरोधं कूटकम् AK. 2, 9, 18. — 12) n. die monatliche Reinigung der Frauen (vgl. पुष्य und नवफलिका) ÇĀNDAR. im ÇKDr. — 13) n. Gabe DHAR. im ÇKDr. — 14) f. झा ein best. Strauch, = किष्किरिष्टा RĪĀN. im ÇKDr. — 15) f. ई = फलिनी, प्रियङ्गु eine best. wohlriechende Pflanze AK. 2, 4, 2, 36. H. an. MED. — 16) f. ई = फलिन् ein best. Fisch ÇĀNDAR. im ÇKDr. — 17) फल und फली (vgl. फलीकर) in Verbindung mit कर्, भू und अस् गाणा ऊर्यादि zu P. 1, 4, 61. — Wenn फल auf 1. फल् zurückgeht, dann bezeichnen das Wort ursprünglich die geborstene d. i. reife Frucht. — Vgl. अ°, अंमुत्फला, अजिनफला, निष्फाल. पुण्य°, पुरः°, वि°, शारि°, स°, सु°. फलक m. n. gaṇa अर्थर्चादि zu P. 2, 4, 31. SIDDH. K. 249, a, 1. 1) am Ende eines adj. comp. (f. फलिका) = फल a) Erfolg, Vortheil, Gewinn: ब्रह्मप्राप्तिफलकत्वात् KULL. zu M. 2, 146. — b) die monatliche Reinigung; s. नवफलिका. — 2) n. Brett, Latte, Blatt (vgl. फलक): अधिषवणे AIT. Br. 7, 30. ÇĀT. Br. 3, 4, 5, 22. प्रउये 3, 4, 9. दार° ÇĀNKH. GRHJ. 3, 3. ÇĀT. Br. 13, 4, 2, 1. KĀTJ. Çr. 20, 2, 20. PAÑĀV. Br. 17, 1, 14. प्रेङ्क° ÇĀNKH. Çr. 17, 1, 2. विषयश्च फलकास्तीर्णाः Ind. St. 1, 33. 44. नौः फलकास्तीर्णा Suçr. 4, 341, 18. आसीत् गुरुणा सार्धं शिलाफलकौनौषु च M. 2, 204. शात्मलीफलके हृदयो नेत्रियान्नेत्रकः शनैः 8, 396. RĪĀA-TAB. 1, 317. दार° KULL. zu M. 3, 226. (क्व) समुद्रे यानभङ्गनिमग्नायाः फलकासादनम् RATNĀV. 4, 5. Brettchen Suçr. 1, 136, 19. स्फटिकफलका काञ्चनी वासपट्टिः (für Pfauen; Fuss nach Schütz) MEGH. 77. SIDDH. ÇĀ. 11, 2. 18. °यल्ल 16. so v. a.

IV. Theil.

Schachbrett (vgl. शारिफलक) Spr. 2294. = चित्रफलक MĀRĀN. 59, 9. लिपि° Schreitbafel LALIT. ed. Calc. 143, 14. VJUTP. 157. पाण्डुलेख्येन (v. l. लेखेन) फलके भूमौ वा प्रथमं लिखेत् । ऊनाधिकं (v. l. न्यूनाधिकं) तु संशोध्य (lies संशोध्य) पश्चात्पक्षे निवेशयेत् ॥ Vjsa im VJAVABHĀT. ÇKDr.; vgl. u. पाण्डुलेख. SŪRĀS. 6, 12. फलक heisst auch das Gestell für die Binde des buddh. Geistlichen VJUTP. 213. फणा° die Platte der Haube einer Schlange Spr. 2763. Häufig von breiten, platten Knochen (m. = अस्थिखण्ड GĀTĀDH. im ÇKDr.) gebraucht: अंस° Schulterblatt ÇĀT. Br. 10, 2, 2, 14. Suçr. 1, 345, 8. 346, 14. कपोल° (am Ende eines adj. comp. f. झा) ÇĀ. 9, 37. Spr. 1235. ललाट° MĀRĀ. P. 87, 5. Verz. d. Oxf. H. 248, a, 26. Vgl. ऊर्, जानु°, श्रोणि°. Handfläche ÇĀT. Br. 12, 2, 4, 7. die Hinterbacken ÇĀDDĀRTHAK. bei WILSON. — 3) m. n. Schild AK. 2, 8, 2, 58. H. 783. HALĀ. 2, 305. सव्ये सफलके MBH. 10, 377. फलकानि neben चर्माणि 12, 3690. मेघप्रकाश R. 2, 93, 12 (102, 14 GORR.). Spr. 2032. °पाणि AK. 2, 8, 2, 39. TRIK. 3, 3, 239. — 4) n. ein best. Gefäss Suçr. 1, 171, 19. — 5) ein best. Kleiderstoff: चर्मचीवरकुशमुञ्जफलकवासम् adj. HĀ. bei KULL. zu M. 6, 6. HARIV. 14304. फलकपरिधान (so ist zu lesen) MBH. 12, 11276. — 6) Pfeileptt: कर्पाकार°, अग्निदीप्त° KULL. zu M. 7, 90. — 7) n. Samenkapsel der Lotusblüthe ÇĀ. 9, 47. — 8) m. Mesua Roxburghii Wight. ÇĀDDĀ. im ÇKDr. — 9) f. झा v. l. für क्लका gaṇa प्रेतादि zu P. 4, 2, 80. — फलक in der Bed. Brett, Platte von 1. फल्, also urspr. ein abgespaltenes Stück.

फलकत (फल + कत) m. N. pr. eines Jaksha MBH. 2, 397.

फलकपटका (फल + कपटका) f. Asclepias echinata ROXB. NIGH. Pa.

फलकपुर (फ° + पुर) n. N. pr. einer Stadt bei den östlichen Völkern P. 6, 2, 101. — Vgl. फलपुर.

फलकसक्य (फ° + सक्य) n. bretterähnliche Schenkel P. 5, 4, 98, Sch. VOP. 6, 43.

फलकावन n. N. pr. eines Waldes Verz. d. Oxf. H. 46, b, N. 3. — Vgl. फलकीवन.

फलकिन् (von फलका) 1) adj. mit einem Brette —, mit einem Schilde versehen MED. n. 197. adj. von फलका (v. l. für क्लका) gaṇa प्रेतादि zu P. 4, 2, 80. — 2) m. a) eine hölzerne Bank: फलकी कूर्च वाप्यथ वा वर्षी MBH. 3, 1196. — b) ein best. Fisch, = चित्रफाली oder °फलिन् TRIK. 1, 2, 17. HĀ. 188. MED.; vgl. फलकिन्.

फलकीवन n. N. pr. eines Waldes MBH. 3, 6056. — Vgl. फलकावन.

फलकक्ष m. = कृष्णपाकफल Carissa Carandas LIN. oder Flacourtia

cataphracta ROXB. ÇĀDDĀ. im ÇKDr.

फलकेशर (फल + के°) m. Kokosnusspalme GĀTĀDH. im ÇKDr.

फलकोश (फल + कोश) m. Hodensack Suçr. 1, 94, 1. 289, 13. 14 (du.).

290, 3. फलकोषक m. dass. TRIK. 2, 6, 24.

फलखेल s. फालखेल.

फलप्रक् (फल + प्रक्) 1) adj. Nutzen —, Vortheil von Etwas ziehend: क्लेशभाजो भविष्यति दैत्या पूयं फलप्रक्ताः BHĀ. P. 2, 6, 28. — 2) m. das Ziehen eines Nutzens, eines Vortheils ÇĀT. 2, 388.

फलप्रैहि (फल + प्रै°) adj. = फलेप्रहि BHAR. zu AK. 2, 4, 4, 6. ÇKDr. fruchtansetzend, fruchtbar TS. 5, 1, 2, 2, 6. AIT. Br. 7, 15. KĀTJ. 19, 1, 23, 4.

फलप्रक्रिषु (फल + प्र°) adj. dass. ÇĀNKH. Çr. 17, 1, 18.

76